

बैटरी व्यापार

बैटरी, सोलर और इलेक्ट्रिक वाहन से जुड़े व्यापारियों के लिए

ऑनलाइन मासिक

Battery Business

समाचार • व्यापार • प्रचार • प्रसार

विशेष : नवीकरणीय ऊर्जा का व्यावहारिक महत्व



टाटा मोटर्स ने नेपाल में 154 किमी
रेंज वाली Ace EV लॉन्च की

SuperStik™

.... चिपका रहे !



KABHI SATH NA CHHODE

STRONG ADHESIVE

Any Query : +91-9582593779
9910183526
9971293665



बैटरी व्यापार

बैटरी, मोटर और इलेक्ट्रिक वाहन से जुड़े व्यापारियों के लिए

ऑनलाइन मासिक

Battery Business

समाचार • व्यापार • प्रचार • प्रसार



विशेष: नवीकरणीय ऊर्जा का व्यावहारिक महत्व



टाटा मोटर्स ने नेपाल में 154 किमी रेंज वाली Ace EV लांच की

संकलक-संपादक

विनय कुमार भक्त

साहित्यिक संपादक मंडल:

माधुरी वर्मा-वाराणसी, डॉ. आशा सिन्हा-पटना

निशा भास्कर-दिल्ली, रेणु कुमारी-पटना

पायल राधा जैन-इटावा, उ.प्र.

मणिकर्णिका पांचाल सूर्यवंशी-दिल्ली

आशुतोष तिवारी-जोधपुर

डॉ. भागवान सहाय मीना-जयपुर

यह सभी पद अवैतनिक हैं।

डिजाईन, ग्राफिक्स टीम:

प्रमोद कुमार

राहुल कुशवाहा

प्रोडक्शन

विजय कुमार सिंह

प्रिंटिंग:

एम.आर. डिजिटल, नारायणा, दिल्ली

प्रिंटेड कॉपी मूल्य: रुपये 120/-

डाक खर्च सहित

सम्पादकीय कार्यालय:

डिजाईनवर्ल्ड

डब्लू जेड -572 एन, बैंक साइड,

नारायणा गाँव, दिल्ली-110028

संपर्क: 9582593779

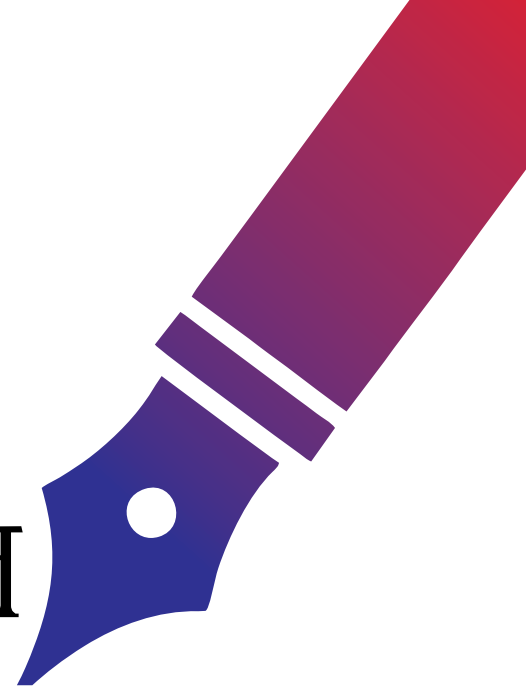
Email: info@batterybusiness.in

Website: www.batterybusiness.in

पत्रिका में प्रकाशित लेखों से संपादक, प्रकाशक, मुद्रक की सहमति अनिवार्य नहीं है।

बैटरी व्यापार ई-पत्रिका है। पाठकों की मांग पर शुल्क लेकर प्रिंटेड पत्रिका डाक द्वारा भेजी जा सकती है।

कलम कहे हमारी बात



बैटरी व्यापार के पाठकों को नमस्कार!

बैटरी व्यापार हिंदी मासिक पत्रिका ऑनलाइन निरंतर प्रकाशित हो रहा है। इस पत्रिका ने इस अंक के साथ अपना दूसरा वर्ष पूरा कर लिया है। किसी भी प्रकाशन के लिए वित्तीय सहायता जरूरी है उसके साथ ही समाचार, लेख, विज्ञापन भी चाहिए जिस से पत्रिका का प्रकाशन नियमित हो सके। पर बैटरी व्यापारियों में इसके प्रति जागरूकता की कमी देखने को मिल रही है।

मैं एकबार फिर कहना चाहता हूँ की आप कैसे इस पत्रिका के प्रकाशन में सहयोग दे सकते हैं।

लेख लिखना: यदि आपके पास विशेषज्ञता या रुचि के क्षेत्र में ज्ञान है, तो आप लेख लिखकर पत्रिका के लिए योगदान कर सकते हैं। आपके लेख विचारशील और अच्छे तरीके से लिखे जाने चाहिए, ताकि पाठकों को समझने में सहायक हो।

विज्ञापनदाता बनकर: यदि आप मानसूनी घटनाओं, स्थानीय समाचार या किसी विशेष विषय पर रिसर्च कर सकते हैं, तो आप पत्रिका के संवाददाता के रूप में काम कर सकते हैं।

सामग्री प्रदान: आप पत्रिका के लिए सामग्री प्रदान कर सकते हैं, जैसे कि अपने फोटोग्राफी, वीडियो, या बनाया गया कला।

सोशल मीडिया प्रबंधन: पत्रिकाओं के डिजिटल पहलु को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया प्रबंधन में सहयोग देना भी महत्वपूर्ण हो सकता है।

विपणन और प्रचारण: पत्रिकाओं के प्रचारण और विपणन में भी सहयोग दिया जा सकता है, जैसे कि पत्रिका की प्रतियों की डिस्ट्रिब्यूशन और मार्केटिंग कार्य के द्वारा भी आप पत्रिका के प्रकाशन में सहयोग दे सकते हैं। आप अगर ऐसा करते हैं तो कुछ रकम भी आपको दिया जा सकता है, जिस से आपका मनोबल बना रहे।

मैं इसको शुरू किया ताकि इंडस्ट्री की इसका लाभ मिले पर इस पत्रिका का कोई लाभ ही नहीं लेना चाहता। अपने प्रोडक्ट की जानकारी साझा करने में भी संकोच करते हैं। जबकि इस पत्रिका में आपके व्यापार का समाचार निशुल्क प्रकाशित होता है।

मुझे विश्वास है कि इस पत्रिका के प्रकाशन में आप सभी का सहयोग मिलेगा।

धन्यवाद!

विनय कुमार भक्त

info@batterybusiness.in

www.batterybusiness.in

इस अंक में पढ़िये

05 समाचार

बैटरी और हरित हाइड्रोजन के लिए मजबूत विनिर्माण-पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की जरूरत: अमिताभ कांत

06 समाचार

टेस्ला ने भारत से \$1.7-\$1.9 बिलियन मूल्य के पार्ट्स खरीदने की योजना बनाई है: पीयूष गोयल

एसजेवीएन ने 1.18 ट्रिलियन रुपये की परियोजनाओं के लिए वित्त प्राप्त करने के लिए पीएफसी के साथ समझौता किया

07 समाचार

टाटा मोटर्स ने नेपाल में 154 किमी रेंज वाली Ace EV लॉन्च की

09 समाचार

सरकार ने बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली बनाने के लिए 3,760 करोड़ रुपये की व्यवहार्यता अंतर निधि को मंजूरी दी

जनवरी-सितंबर 2023 के बीच तमिलनाडु में हुई 4 लाख ईवी की बिक्री

10 समाचार

भारत, अमेरिका बैटरी प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग के लिए बातचीत कर रहे हैं

11 समाचार

सरकार को नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए एक बैंक बनाना चाहिए : सी. नरसिम्हन

12 विशेष

नवीकरणीय ऊर्जा का व्यावहारिक महात्व

13 समाचार

एक्साइड इंडस्ट्रीज ने उन्नत रसायन बैटरी सेल बनाने वाली शाखा में 100 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है

14 समाचार

अमारा राजा बैटरीज़ का नाम अब अमारा राजा एनर्जी एंड मोबिलिटी हो गया है

इंदौर का होलकर स्टेडियम अब सोलर स्टेडियम बना

15 समाचार

एवरेडी ने नई अल्टिमा उच्च प्रदर्शन एल्कलाइन बैटरी लॉन्च की

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी महाराष्ट्र में 26 मेगावाट की कैप्टिव सौर परियोजना स्थापित करेगी

17 विशेष

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सौर शहर के रूप में सांची शहर का अनावरण किया

अश्रीशा इंडस्ट्रीज गुजरात में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करेगी

19 विशेष

सोडियम-आयन बैटरी संभवतः लिथियम-आयन का विकल्प है

सोलर व्यापार और बैटरी व्यापार में सम्बन्ध

21 साहित्य

प्रेरक लघुकथा
आत्मदर्शी संत

कविता : तुम आए नहीं

नेता जी

जंग

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपकी कहानी में अब तक क्या लिखा गया है, यह मायने रखता है कि आप बाकी पन्ने कैसे भरते हैं।

बैटरी और हरित हाइड्रोजन के लिए मजबूत विनिर्माण-पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की जरूरत: अमिताभ कांत



जी20 शेरपा अमिताभ कांत, जिन्होंने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि भारत को 2030 तक दोपहिया और वाहन क्षेत्र में 100 प्रतिशत विद्युतीकरण का लक्ष्य रखना चाहिए, अब उन्होंने देश में घरेलू बैटरी विनिर्माण क्षमताओं के विस्तार के महत्व पर जोर दिया है। नीति आयोग के पूर्व सीईओ ने एक मजबूत बैटरी विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की आवश्यकता को रेखांकित किया जो न केवल आयात पर निर्भरता को कम करेगा बल्कि रोजगार के पर्याप्त अवसर भी पैदा करेगा।

अमिताभ कांत जी ने ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसीएमए) के वार्षिक सम्मेलन में कहा ऑटोमोबाइल घटक वास्तव में भारत में विनिर्माण का दिल और आत्मा हैं और इसलिए आप सभी (उद्योग के खिलाड़ी) विनिर्माण के चैंपियन हैं। आप वैश्विक बाजारों में पैठ बनाने के चैंपियन बन सकते हैं। हम दहन दोपहिया, तिपहिया और दुनिया भर में निर्यात के क्षेत्र में पहले से ही

चैंपियन हैं। लेकिन जैसे-जैसे दुनिया इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर बढ़ रही है, हमें भारत में बैटरी विनिर्माण माहौल बनाने की जरूरत है। अमिताभ कांत जी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की ओर वैश्विक बदलाव के साथ जुड़ना होगा क्योंकि देश 2030 तक अपने कार्बन उत्सर्जन को 30 प्रतिशत तक कम करने का प्रयास कर रहा है।

अमिताभ कांत ने चार-पहिया (4W) सेगमेंट में जैव ईंधन की ओर एक बड़े धक्का की भी उम्मीद की क्योंकि यह ईंधन संरचना (इथेनॉल के मिश्रण के साथ) का 20 प्रतिशत हिस्सा होगा। उन्होंने कहा कि लंबी दूरी के परिवहन वाहनों जैसे ट्रक और बसों में लंबी अवधि में हरित हाइड्रोजन का एक बड़ा घटक होगा। उन्होंने कहा कि “हमें कोयले को हरित हाइड्रोजन से बदलने की जरूरत है। दुनिया में संभवतः एकमात्र अन्य देश सऊदी अरब है जिसकी जलवायु परिस्थितियाँ भारत के समान हैं। लेकिन भारत की जलवायु परिस्थितियाँ शीर्ष श्रेणी की हैं और हम हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करने वाले

दुनिया के सर्वश्रेष्ठ उद्यमी हैं। चुनौती यह है कि हरित हाइड्रोजन आज लगभग 4.50 डॉलर प्रति किलोग्राम है। पैमाने के आकार के साथ, हमें इसे 2030 तक 2.50 डॉलर प्रति किलोग्राम और फिर 1 डॉलर तक लाने में सक्षम होना चाहिए। यह हमारी महत्वाकांक्षा है और मेरा विचार है कि यह बहुत संभव है। भारत को सभी क्षेत्रों में इलेक्ट्रिक होने की जरूरत है और इसके लिए बड़ी मात्रा में डिजिटल होने की भी आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि भारत को न केवल “तकनीकी रूप से छलांग लगाने” की आवश्यकता होगी, बल्कि वैश्विक बाजारों में प्रवेश करने के लिए “पोल वॉल्टिंग” की भी आवश्यकता होगी। जो लोग इलेक्ट्रिक नहीं अपनाते हैं, वे प्रतिस्पर्धा में बढ़त खो देंगे, बाजार हिस्सेदारी खो देंगे और बाजार में भारी नुकसान होगा। अगर दुनिया इलेक्ट्रिक बन रही है, तो हमें यह समझना चाहिए कि भारतीय उद्योग के लिए इलेक्ट्रिक बनना एक अनिवार्य मजबूरी है। हम यथास्थितिवादी नहीं रहना चाहिए और इस पर ध्यान नहीं देना चाहिए।

टेस्ला ने भारत से \$1.7-\$1.9 बिलियन मूल्य के पार्ट्स खरीदने की योजना बनाई है: पीयूष गोयल



एक मीडिया वेबसाइट से मिली जानकारी के अनुसार भारत के व्यापार मंत्री श्री पीयूष गोयल ने एक ऑटो कॉन्फ्रेंस में कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता टेस्ला इंक ने भारत से \$1.7-\$1.9 बिलियन के पार्ट्स खरीदने की योजना बनाई है और उसने पहले ही \$1 बिलियन के पार्ट्स मंगवा लिए हैं। 63वें ऑटोमोबाइल कंपोनेंट मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के वार्षिक सत्र को

संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल कहते हैं, "...टेस्ला ने पिछले साल ही यहां बैठे आप सभी से 1 अरब डॉलर के कंपोनेंट खरीदे थे। मेरे पास उन कंपनियों की सूची है जिन्होंने टेस्ला को आपूर्ति की। इस साल उनका लक्ष्य लगभग \$1.7 बिलियन या \$1.9 बिलियन है।"

समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने पिछले महीने रिपोर्ट दी थी कि टेस्ला के वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत में एक फैक्ट्री बनाने में रुचि के साथ मंत्री से मुलाकात की, जो 24,000 डॉलर की कम लागत वाली इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) का उत्पादन करेगी, जो टेस्ला के मौजूदा एंटी-लेवल मॉडल से लगभग 25% सस्ता है।

व्यापार मंत्री जी ने यह भी कहा कि सरकार को उन देशों के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करनी पड़ सकती है जो भारतीय इस्पात कंपनियों तक पहुंच की अनुमति नहीं देते हैं लेकिन उन्हें भारत में धातु भेजने की अनुमति है। श्री गोयल अपने मूल देश से ऑटोमोटिव स्टील आयात करने वाली कुछ कंपनियों का जिक्र कर रहे थे।

ऑटो उद्योग अभी भी अपनी आवश्यकता का

20 प्रतिशत आयात पर निर्भर है और यह निर्भरता विभिन्न कंपनियों में भिन्न-भिन्न है, जिससे पता चलता है कि उनमें से कुछ अपनी पसंद से आयात कर रहे हैं। इसके अलावा, मंत्री ने कुछ वैश्विक ऑटो कंपनियों की उस दलील को खारिज कर दिया, जो कहती हैं कि वे भारत में निवेश लाती हैं।

उन्होंने कहा, "भारत में निवेश इसके बाजार आकार के कारण आता है।" उन्होंने कहा कि भारत में निवेश लाने का मतलब यह नहीं है कि "हमें भारत में उन वस्तुओं का आयात जारी रखना होगा जो स्थानीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी मूल्य पर और बहुत उच्च गुणवत्ता पर उपलब्ध हैं।" उन्होंने कुछ कंपनियों के चलन की भी आलोचना की जो अपना निवेश एक ही स्थान से करते हैं और तीसरे देशों से घटकों और इनपुट का आयात करते हैं जो भारत के लिए "बहुत अनुकूल" नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भारत को मुक्त व्यापार समझौते के तहत शून्य शुल्क पर अन्य देशों से आने वाले उत्पादों को भी अधिक ध्यान से देखना होगा ताकि यह देखा जा सके कि भारतीय आपूर्तिकर्ताओं और उन देशों के बीच समान अवसर हैं जहां से उनके उत्पाद आ रहे हैं।

एसजेवीएन ने 1.18 ट्रिलियन रुपये की परियोजनाओं के लिए वित्त प्राप्त करने के लिए पीएफसी के साथ समझौता किया

हिमाचल प्रदेश के स्वामित्व वाली बिजली उत्पादक एसजेवीएन लिमिटेड ने कहा कि उसने 1.18 लाख करोड़ रुपये की अपनी परियोजनाओं के लिए वित्त प्राप्त करने के लिए पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन (पीएफसी) के साथ एक प्रारंभिक समझौता किया है। "पीएफसी और कंपनी ने परियोजनाओं के विभिन्न विविध पोर्टफोलियो के लिए वित्तीय सहायता के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें प्रमुख रूप से नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं और थर्मल उत्पादन परियोजनाएं शामिल हैं, जिनकी कुल परियोजना लागत लगभग 1,18,826 करोड़ रुपये है।" बीएसई की एक फाइलिंग में कहा गया है।

इसमें कहा गया है कि टर्म लोन वित्तीय सहायता अस्थायी रूप से परियोजना लागत का 70 प्रतिशत प्रस्तावित है, जिसे परियोजना आवश्यकताओं के अनुसार नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए बढ़ाया जा सकता है। एक अलग बयान में, पीएफसी ने कहा, "पीएफसी और एसजेवीएन लिमिटेड ने विभिन्न परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान



करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें 660 मेगावाट थर्मल के साथ कुल 12,178 मेगावाट क्षमता वाले बड़े नवीकरणीय ऊर्जा उद्यम (सौर, हाइड्रो और पंप स्टोरेज) शामिल हैं। इसमें कहा गया है कि समझौता ज्ञापन पर पीएफसी निदेशक (वाणिज्यिक) मनोज शर्मा और

एसजेवीएन निदेशक (वित्त) अखिलेश्वर सिंह ने हस्ताक्षर किए। सावधि ऋण के रूप में पीएफसी की वित्तीय सहायता अस्थायी रूप से 80,000 करोड़ रुपये से 90,000 करोड़ रुपये तक प्रस्तावित है, जो इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्राप्ति के लिए पर्याप्त प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।

टाटा मोटर्स ने नेपाल में 154 किमी रेंज वाली Ace EV लॉन्च की



टाटा मोटर्स ने अपने एकमात्र अधिकृत वितरक, सिप्राडी ट्रेडिंग के माध्यम से, नेपाल में अपने लोकप्रिय छोटे वाणिज्यिक वाहन का शून्य-उत्सर्जन संस्करण, ऐस ईवी लॉन्च किया है। पहला TATA ACE EV बेड़ा काठमांडू में ग्राहकों को सौंप दिया गया है। यह वैश्विक बाजार में ऐस ईवी की शुरुआत का प्रतीक है।

वास्तविक दुनिया में कड़े परीक्षण करने के बाद, टाटा मोटर्स ने मई 2022 में टाटा ऐस ईवी का

अनावरण किया था। लॉन्च के समय, टाटा ऐस ईवी को 39,000 इकाइयों के लिए प्री-बुकिंग प्राप्त हुई थी और कंपनी ने प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों और लॉजिस्टिक्स सेवा के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे।

ऐस ईवी, टाटा मोटर्स के एवोजेन पावरट्रेन वाला पहला उत्पाद है, जो 27kW (36hp) मोटर द्वारा संचालित है जो 130 एनएम का पीक टॉर्क विकसित करता है। शून्य-उत्सर्जन छोटे

वाणिज्यिक वाहन में 154 किलोमीटर की प्रमाणित रेंज, ड्राइविंग रेंज को बढ़ावा देने के लिए एक उन्नत बैटरी कूलिंग सिस्टम और पुनर्योजी ब्रेकिंग सिस्टम है। इंटर-सिटी अनुप्रयोगों के लिए डिज़ाइन किया गया और ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक्स और लास्ट-मील मोबिलिटी ऑपरेटरों पर लक्षित, टाटा ऐस ईवी में 208 क्यूबिक फीट का कार्गो वॉल्यूम और 22% की ग्रेडेबिलिटी है, जो पूरी तरह से भरी हुई स्थितियों में आसान चढ़ाई की अनुमति देता है। ऐस ईवी के कंटेनर को नेपाल में ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप अनुकूलित किया गया है।

टाटा मोटर्स वाणिज्यिक वाहन व्यवसाय के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रमुख, अनुराग मेहरोत्रा ने कहा: “यात्री और कार्गो परिवहन का विद्युतीकरण एक अपरिवर्तनीय प्रवृत्ति है। टाटा मोटर्स में, स्वच्छ और हरित परिवहन समाधानों को अपनाते में तेजी लाने की हमारी प्रतिबद्धता अधिक मजबूत हो रही है। ऐस ईवी की शुरुआत नेपाल में शून्य-उत्सर्जन कार्गो गतिशीलता प्रदान करने की हमारी यात्रा में एक प्रमुख मील का पत्थर है। नेपाल अपनी जलविद्युत परियोजनाओं के माध्यम से स्वच्छ बिजली के साथ फल-फूल रहा है, और नई ऐस ईवी का लॉन्च स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में देश की प्रगति को और पूरक करेगा।

WEBDESIGN | SOCIAL MEDIA ADVERTISING | DIGITAL MARKETING | SEO



DIGICONNECT
...Easy Connect

CALL & WHATSAAP 9315 62 9212

VERATEK®

Energy Revolution

SOLAR TALL TUBULAR BATTERY

POWER BACKUP SOLUTION

QUICK RECHARGE > MORE BACKUP >



LOW MAINTENANCE



HIGH POWER



SELENIUM INSIDE

Contact : +91 9810622544 | Email : amtekbatteries@gmail.com

सरकार ने बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली बनाने के लिए 3,760 करोड़ रुपये की व्यवहार्यता अंतर निधि को मंजूरी दी



कार्बन उत्सर्जन को कम करने और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, भारत सरकार के केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) के विकास के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण योजना के लिए 3,760 करोड़ रुपये को मंजूरी दी।

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में मीडिया को संबोधित करते हुए, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि सरकार ने लक्ष्य रखा है कि 2030 तक हम गैर-जीवाश्म के माध्यम से 50 प्रतिशत आवश्यकता पूरी करेंगे।" और नवीकरणीय ऊर्जा। इसके प्रति सरकार गंभीर है और हमने कई लक्ष्य समय से पहले हासिल किये हैं और आज उस दिशा में एक बड़ा फैसला लिया गया है। बैटरी स्टोरेज सिस्टम के लिए एक व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण योजना को मंजूरी दे दी गई है और 3,760 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जाएंगे। इस योजना को लाने से क्षमता बढ़ेगी. यह 100 प्रतिशत केंद्रीय अनुदान होगा।

उन्होंने कहा कि बीईएसएस के लाभों पर प्रकाश डालते हुए, ठाकुर ने कहा कि बिजली जरूरतों के अनुसार बदलाव की मांग करती है। यदि बिजली अधिशेष में उत्पादित होती है तो इसे अभी संग्रहीत नहीं किया जा सकता है। ऐसे में भंडारण क्षमता बनाने के लिए यह योजना लाई गई है। अभी

हमारे पास क्षमता नहीं है. योजना शुरू होने के बाद, 4,000 मेगावाट घंटे की बैटरी स्टोरेज तैयार की जाएगी। योजना में 2030-31 तक 4,000 मेगावाट की बीईएसएस परियोजनाओं के विकास की परिकल्पना की गई है, जिसमें बजटीय सहायता के रूप में पूंजीगत लागत का 40 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता शामिल है।

मंत्री ने यह भी कहा कि उत्पादन का 85 प्रतिशत हिस्सा पहले डिस्कॉम को दिया जाएगा और जब डिस्कॉम की आवश्यकताएं पूरी हो जाएंगी तो इसे अन्य उपभोक्ताओं को दिया जा सकता है। जब यह बैटरी ऊर्जा प्रणाली विकसित की जाएगी तो इसका उपयोग पीक आवर्स के दौरान

किया जाएगा। इससे हमारा दो कार्बन उत्सर्जन कम होगा और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने पिछले नौ वर्षों में कई क्षेत्रों में कई नए मील के पत्थर हासिल किए हैं, उनमें से एक नवीकरणीय ऊर्जा और ऊर्जा संक्रमण चरण के क्षेत्र में है, पिछले नौ वर्षों में भारत द्वारा बहुत सारे काम किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा में, सौर ऊर्जा जो 2014 में 2.6 गीगावाट थी वह बढ़कर 71 गीगावाट हो गई है, जबकि पवन ऊर्जा जो 2014 में 21 गीगावाट थी वह अब 40 गीगावाट है।

जनवरी-सितंबर 2023 के बीच तमिलनाडु में हुई 4 लाख ईवी की बिक्री

सरकार ने कहा कि तमिलनाडु देश में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) हब बनने के अपने लक्ष्य को साकार करने की ओर बढ़ रहा है क्योंकि इस साल जनवरी से सितंबर के बीच पूरे भारत में बेचे गए कुल 10 लाख ईवी में से चार लाख ऑटोमोबाइल की बिक्री राज्य में हुई। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा साझा किए गए आंकड़ों का हवाला देते हुए, देश भर में 10,44,600 इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत थे, जिनमें से 4,14,802 वाहन सितंबर तक तमिलनाडु में बेचे गए थे।

यहां एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, "यह एक महत्वपूर्ण रिकॉर्ड है और विविध, जीवंत बहु-क्षेत्रीय उपस्थिति और सरकार द्वारा दिए गए विकास के प्रोत्साहन के बारे में बहुत कुछ बताता है।" 2025 तक ईवी विनिर्माण में 50,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की उम्मीद है, जिससे 1.50 करोड़ रुपये का उत्पादन होगा। लाख नौकरियां, उद्योग फोकस क्षेत्र बन जाएगा। ईवी की बिक्री में उछाल से उत्साहित सरकार ने कहा कि 2030 तक उसका लक्ष्य देश में बेचे जाने वाले सभी इलेक्ट्रिक वाहनों का 30 प्रतिशत बनाना और वैश्विक निर्यात में महत्वपूर्ण योगदान देना है।

भारत, अमेरिका बैटरी प्रौद्योगिकी, महत्वपूर्ण खनिजों में सहयोग के लिए बातचीत कर रहे हैं



भारत के प्रधान मंत्री के सलाहकार तरुण कपूर ने कहा है कि ऊर्जा परिवर्तन और महत्वाकांक्षी शुद्ध शून्य लक्ष्यों की खोज के बीच, भारत और अमेरिका बैटरी प्रौद्योगिकियों और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग के लिए बातचीत कर रहे हैं।

कपूर ने कहा, "बैटरी और महत्वपूर्ण खनिज ऐसे दो क्षेत्र हैं जहां हम अच्छे सहयोग की उम्मीद कर रहे हैं क्योंकि अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को सुरक्षित करने के लिए हमें बिल्कुल बुनियादी चीजों से आगे बढ़ना होगा, जिसका मतलब है कि लिथियम जैसे खनिज जो बहुत महत्वपूर्ण हैं, उन्हें भी साथ जोड़ने की जरूरत है जिस पर फिलहाल हमारी चर्चा चल रही है।

इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएससी) द्वारा आयोजित 20वें इंडो-यूएस इकोनॉमिक समिट में बोलते हुए कपूर ने कहा, "भारत ने इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में विनिर्माण के मामले में देश में अच्छा चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तेजी से

विकास देखा है, लेकिन इसे स्थापित करने की जरूरत है।" "सार्वजनिक चार्जिंग बुनियादी ढांचा बहुत आवश्यक है। हमारी योजना 22,000 पेट्रोल स्टेशनों को चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर से कवर करने की है। अगले 2-3 वर्षों में हमारे पास बहुत अच्छा चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर होगा।"

इसके अलावा, उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे चार्जिंग बुनियादी ढांचा स्थापित करने की आवश्यकता के बारे में कहा कि इस क्षेत्र में बहुत अधिक निवेश की आवश्यकता होगी।

बुनियादी ढांचे, सड़क परिवहन और राजमार्गों पर एक सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों देश पहले से ही नवीकरणीय ऊर्जा के लिए कोष स्थापित करने के लिए सहयोग कर रहे हैं, और इलेक्ट्रिक बसों के लिए भुगतान सुरक्षा तंत्र पर भी काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, "देश में और अधिक निवेश लाने, विशेष रूप से दुनिया भर में हो रहे प्रौद्योगिकी खेल

को देखते हुए भारत और अमेरिकी कंपनियों के बीच साझेदारी के मामले में हमारे पास आगे भी सहयोग की अच्छी गुंजाइश है।"

देश में सड़क बुनियादी ढांचे में सुधार पर सरकार के फोकस पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि भारत को देश के किसी भी हिस्से से 50 किमी से 100 किमी की दूरी तक एक्सप्रेसवे तक पहुंच मिलेगी।

उन्होंने कहा कि फिलहाल 25 फीसदी माल ढुलाई रेलवे के जरिये होती है और इसे 40 फीसदी तक ले जाने का लक्ष्य है। उन्होंने यह भी कहा कि यह देखते हुए कि भारतीय रेलवे इलेक्ट्रिक हो गई है, यह अंततः पावर ग्रिड की पूरी हरियाली के साथ हरित हो जाएगी। उन्होंने कहा, "जहां तक सड़कों का सवाल है, सरकार का प्रयास सड़कों का बेहतर नेटवर्क बनाना है।" यह देखते हुए कि देश में पिछले कुछ वर्षों में राजमार्गों और ग्रामीण सड़कों का निर्माण किया गया है, कपूर ने कहा कि यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि सड़कों का नेटवर्क निर्बाध रूप से एकीकृत हो।

1987 बैच के आईएएस अधिकारी कपूर को नवंबर 2021 में पेट्रोलियम सचिव के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद पीएम के सलाहकार के रूप में नियुक्त किया गया था।

बुनियादी ढांचे, सड़क परिवहन और राजमार्गों पर एक सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों देश पहले से ही नवीकरणीय ऊर्जा के लिए कोष स्थापित करने के लिए सहयोग कर रहे हैं, और इलेक्ट्रिक बसों के लिए भुगतान सुरक्षा तंत्र पर भी काम कर रहे हैं।

सरकार को नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए एक बैंक बनाना चाहिए : सी. नरसिम्हन

केरल ने स्वदेशी रूप से लिथियम टाइटेनेट ऑक्साइड (एलटीओ) बैटरी का एक प्रोटोटाइप विकसित करके टिकाऊ परिवहन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण छलांग लगाई है, जो एक गेम-चेंजिंग विकास है जो इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माण उद्योग में क्रांति लाने का वादा करता है।

यह सफलता केरल डेवलपमेंट एंड इनोवेशन स्ट्रैटेजिक काउंसिल (के-डीआईएससी) के नेतृत्व में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के एक संघ द्वारा एक सामान्य लक्ष्य के लिए काम करने के सहयोगात्मक प्रयास के परिणामस्वरूप मिली। कंसोर्टियम में अन्य उद्यम विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर (वीएसएससी), त्रावणकोर टाइटेनियम प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीटीपीएल), सी-डैक तिरुवनंतपुरम, और त्रिवेन्द्रम इंजीनियरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी रिसर्च पार्क हैं।

केरल सरकार के विवरण के अनुसार, टीटीपीएल ने बैटरी निर्माण के लिए आवश्यक लिथियम टाइटेनेट ऑक्साइड इलेक्ट्रोड सामग्री विकसित की, जबकि वीएसएससी ने लिथियम टाइटेनेट बैटरी प्रोटोटाइप डिजाइन और बनाया।

एलटीओ बैटरी दो महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने के लिए तैयार है जो लंबे समय से इलेक्ट्रिक वाहनों को व्यापक रूप से अपनाने में बाधा बनी हुई हैं – रेंज की चिंता और लंबा चार्जिंग समय।



एलटीओ बैटरी की सफलता के मूल में इसकी असाधारण दीर्घायु और तेज़ चार्जिंग क्षमताएं हैं। पारंपरिक लिथियम-आयन बैटरियों के विपरीत, एलटीओ संस्करण काफी लंबे जीवन चक्र का दावा करता है, जो इसे लंबे समय में अधिक विश्वसनीय और लागत प्रभावी बनाता है। “एलटीओ बैटरी का यह महत्वपूर्ण विकास ईवी विनिर्माण में क्रांतिकारी बदलाव लाएगा क्योंकि यह बिजली खत्म होने के डर के बिना विस्तारित ड्राइविंग रेंज प्रदान करता है। मानक ईवी बैटरियों की तुलना में, यह लंबे चार्जिंग सत्र से जुड़ी असुविधा को भी खत्म कर देगा,” परियोजना से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा।

केरल में एलटीओ बैटरी का विजयी प्रवेश

विकास वैश्विक स्तर पर ईवी उद्योग की गतिशीलता को नया आकार देगा। केरल अब हरित परिवहन क्रांति में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने की ओर अग्रसर है। ईवी परिवहन क्षेत्र के अलावा, एलटीओ बैटरी विकास तेजी से नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण अनुप्रयोगों को फिर से परिभाषित करेगा। नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन से जुड़े ग्रीड स्थिरीकरण में बैटरी प्रमुख भूमिका निभाएगी।

आधिकारिक सूत्रों ने कहा “विभिन्न मापदंडों का विश्लेषण करने वाले प्रोटोटाइप के निरंतर परीक्षण के बाद, विभिन्न कार्यात्मक गुणों के लिए इसका कठोरता से मूल्यांकन किया जाएगा। बड़े पैमाने पर उत्पादन और व्यावसायीकरण का निर्णय परिणामों के मूल्यांकन के बाद ही लिया जाएगा।”



बैटरी व्यापार
Battery Business
digital magazine | web news



लाखों पाठक

देखें आपका विज्ञापन

info@batterybusiness.in

www.batterybusiness.in

नवीकरणीय ऊर्जा का व्यावहारिक महत्व

नवीकरणीय ऊर्जा, जिसे अल्टरनेटिव ऊर्जा भी कहा जाता है, विभिन्न कारणों से महत्वपूर्ण है और व्यावहारिक दृष्टिकोण से उपयोगी है। निम्नलिखित कुछ महत्वपूर्ण कारण नवीकरणीय ऊर्जा का व्यावहारिक महत्व बताते हैं:

प्राकृतिक संसाधनों की बचत: नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में से अधिकांश प्राकृतिक संसाधनों से प्राप्त होते हैं, जैसे कि सूरज की ऊर्जा, वायु, जल, और जीवन्त संसाधन। इससे उन संसाधनों की बचत होती है और उनका उपयोग वर्तमान और आने वाले पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रूप से हो सकता है।

प्रदूषण कमी: नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करने से जलवायु परिवर्तन को कम किया जा सकता है, क्योंकि इन स्रोतों से जुड़े गैसों और अन्य जलवायु प्रदूषकों की निष्क्रियता कम होती है।

ऊर्जा सुरक्षा: नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके, एक देश अपनी ऊर्जा सुरक्षिता को बढ़ा सकता है और ऊर्जा संकट की स्थितियों से बच सकता है।

जॉब सरकार: नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में नौकरियों की वृद्धि को बढ़ावा देने का स्रोत बन सकता है, जिससे आर्थिक विकास हो सकता है।

ऊर्जा मूल्य स्थिरता: नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करने से ऊर्जा मूल्यों की स्थिरता को बढ़ावा मिल सकता है, क्योंकि वे मूल रूप से मुफ्त और उपलब्ध संसाधनों पर आधारित होते हैं।

अधिक उपयोग: नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके, विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा का नवाचार हो सकता है, जैसे कि वस्त्र उद्योग, परिवहन, और विज्ञान और प्रौद्योगिकी।

सामर्थ्य विकास: नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग से ऊर्जा सामर्थ्य का विकास हो सकता है, जिससे सबसे अत्यधिक एक्सेस नहीं रखने वाले क्षेत्रों में भी ऊर्जा का पहुंच सकता है।

ऊर्जा विलंबन की कमी: नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके ऊर्जा विलंबन की समस्या को कम किया जा सकता है, जो बिजली आपूर्ति में स्थायीता को सुनिश्चित करने में मदद कर सकता है।

विद्युत आपूर्ति की सुरक्षा: नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके विद्युत आपूर्ति की सुरक्षा में सहायक होता है। यह सार्वजनिक बिजली आपूर्ति को स्थिर और साकारात्मक बनाने में मदद करता है,

जिससे बिजली की कमी या आपूर्ति कटौती से होने वाले प्रभावों से बचा जा सकता है।

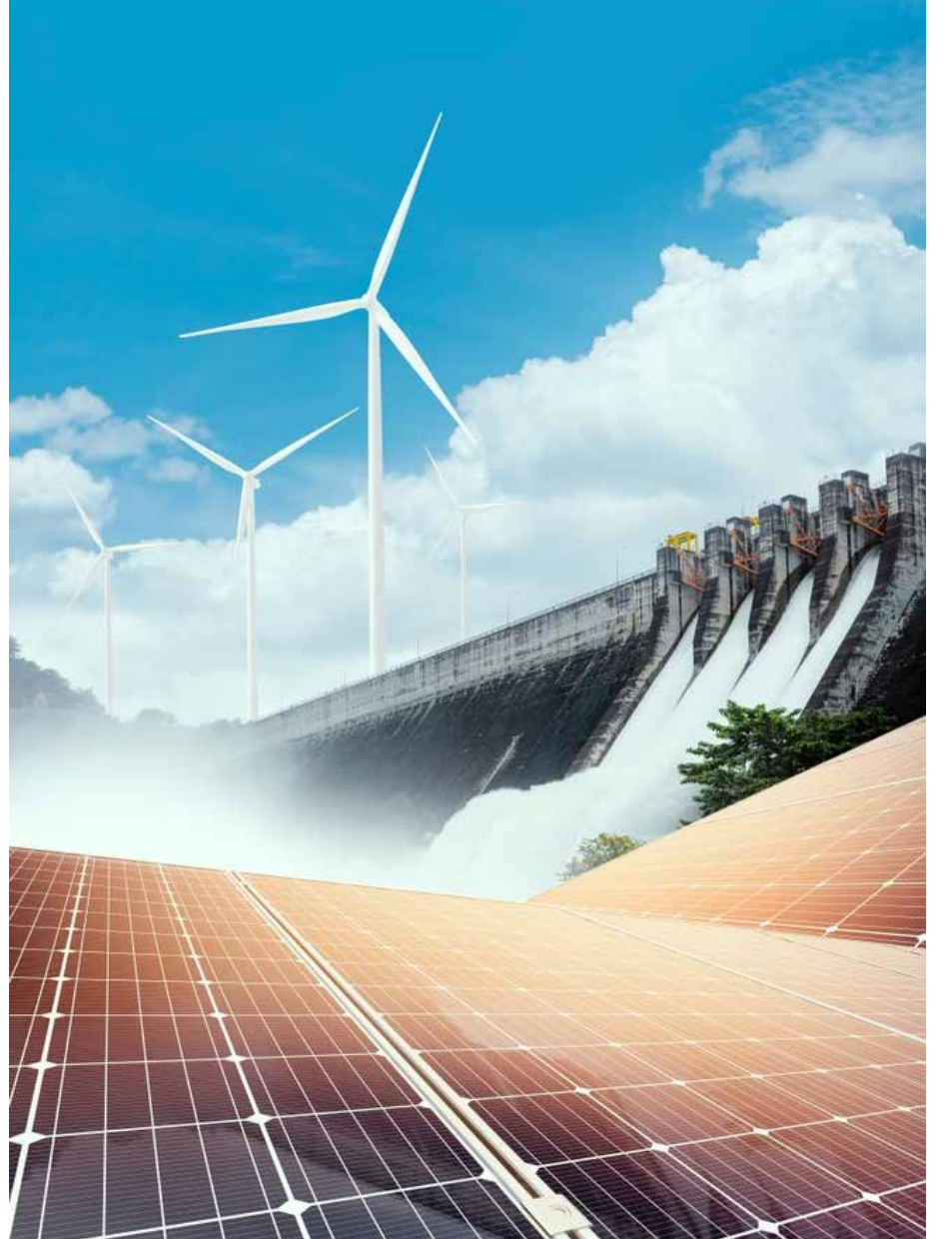
जलवायु परिवर्तन का समर्थन: नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत जैसे कि सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा, जलवायु परिवर्तन के साथ लड़ने में मदद कर सकते हैं। इन स्रोतों का उपयोग करके कार्बन निष्क्रियकरण में मदद मिलती है, जो जलवायु परिवर्तन के साथ जुड़े हुए है।

ऊर्जा मूल्य की स्थिरता: नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके ऊर्जा मूल्यों की स्थिरता प्राप्त की जा सकती है। इससे ऊर्जा संवर्धन और उपयोग में स्थिरता होती है, जिससे व्यवसायों और

नागरिकों को आर्थिक लाभ होता है।

रोजगार सृजना: नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में नौकरियों का सर्वाधिक संवर्धन किया जा सकता है, क्योंकि नए स्रोतों की खोज और ऊर्जा परियोजनाओं के निर्माण और प्रबंधन के लिए लोगों की आवश्यकता होती है।

इन कारणों के कारण, नवीकरणीय ऊर्जा का व्यावहारिक महत्व उच्च होता है और यह समुद्री और आकाशीय प्राकृतिक संसाधनों के प्रयोग के साथ हमारे आर्थिक और पर्यावरणिक लक्ष्यों को पूरा करने में मदद कर सकता है।



एक्साइड इंडस्ट्रीज ने उन्नत रसायन बैटरी सेल बनाने वाली शाखा में 100 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है



एक मीडिया वेबसाइट के अनुसार रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक मुकेश डी अंबानी ने कहा है कि उनकी कंपनी गुजरात के जामनगर में धीरूभाई अंबानी ग्रीन एनर्जी गीगा मैन्युफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स के फास्ट-ट्रैक निष्पादन पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

नए ऊर्जा व्यवसाय में समूह की प्राथमिकता पूरी तरह से एकीकृत एंड-टू-एंड सौर पीवी विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करना है। आरआईएल की 46वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए अंबानी ने कहा, “यह दुनिया की सबसे बड़ी, तकनीकी रूप से सबसे उन्नत, लचीली और लागत-प्रतिस्पर्धी सौर गीगाफैक्ट्री में से एक होगी और रेत को सौर पीवी मॉड्यूल में परिवर्तित करेगी।”

सौर पीवी गीगाफैक्ट्री जामनगर में एक ही स्थान पर मॉड्यूल, सेल, वेफर्स, सिल्लियां, पॉलीसिलिकॉन और ग्लास का निर्माण करेगी। यह उपयोगिता-पैमाने और छत पर बिजली उत्पादन के लिए विश्व स्तर पर उच्चतम दक्षता वाले सौर पीवी कोशिकाओं और मॉड्यूल में से एक का निर्माण करने के लिए हेटेरोजंक्शन तकनीक (एचजेटी) को

तैनात करेगा। अंबानी ने कहा कि उनका लक्ष्य 2025 के अंत तक इस कारखाने को चरणबद्ध तरीके से चालू करने का है।

इसके अलावा, समूह 2030 तक कम से कम 100 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन की स्थापना में तेजी लाने और सक्षम करने के लिए अपनी इंजीनियरिंग और निर्माण क्षमताओं और गीगा-स्केल विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाएगा।

अंबानी ने कहा कि आरआईएल समवर्ती रूप से 2026 तक बैटरी गीगाफैक्ट्री स्थापित करने पर केंद्रित है। बैटरी गीगाफैब बैटरी रसायनों, कोशिकाओं और पैक का निर्माण करेगी, जिससे कंटेनरीकृत ऊर्जा भंडारण समाधान तैयार होंगे, और एक एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करने के लिए बैटरी रीसाइक्लिंग सुविधा भी शामिल होगी।

अंबानी ने कहा, “हम लिथियम फेरो फॉस्फेट (एलएफपी) तकनीक से शुरुआत करेंगे, जो सुरक्षा, स्थिरता और जीवन के पैमाने पर साबित हुई है, जिसका लक्ष्य विश्व-स्तरीय जीवनचक्र लागत पर एलएफपी-आधारित समाधान तैयार करना है।”

“इसके साथ ही, आरआईएल सोडियम-आयन बैटरी प्रौद्योगिकी के तेजी से व्यावसायीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। हम 2025 तक मेगावाट स्तर पर सोडियम-आयन सेल उत्पादन का औद्योगिकरण करके और उसके बाद तेजी से गीगावाट पैमाने तक बढ़ाकर अपनी प्रौद्योगिकी नेतृत्व स्थिति का निर्माण करेंगे।

आरआईएल अगले कुछ तिमाहियों में जामनगर में पवन और सौर ऊर्जा उत्पादन के साथ मेगावाट पैमाने पर ऊर्जा भंडारण तैनात करेगा। इसके बाद कंपनी की कैप्टिव आवश्यकताओं और भारत की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों के लिए चौबीसों घंटे बिजली उपलब्ध कराने के लिए बैटरियों की ग्रिड-स्केल तैनाती की जाएगी।

आरआईएल एक पूरी तरह से एकीकृत, स्वचालित गीगा-स्केल इलेक्ट्रोलाइजर विनिर्माण सुविधा भी स्थापित कर रहा है। अंबानी ने कहा, “यह हमें जामनगर में बड़े पैमाने पर हरित हाइड्रोजन उत्पादन स्थापित करने, धीरे-धीरे हमारी कैप्टिव आवश्यकताओं को बदलने और साथ ही घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए हरित अमोनिया और हरित मेथनॉल उत्पादन के साथ एकीकृत करने में सक्षम करेगा।”

अमारा राजा बैटरीज का नाम अब अमारा राजा एनर्जी एंड मोबिलिटी हो गया है

अमारा राजा बैटरीज, अब अमारा राजा एनर्जी एंड मोबिलिटी, एक ऊर्जा और गतिशीलता उद्यम है और भारतीय बैटरी उद्योग में औद्योगिक और ऑटोमोटिव दोनों अनुप्रयोगों के लिए ऊर्जा भंडारण उत्पादों के सबसे बड़े निर्माताओं में से एक है।

कंपनी द्वारा नियामक फाइलिंग के अनुसार, यह प्रमुख दूरसंचार सेवा प्रदाताओं, दूरसंचार उपकरण निर्माताओं, यूपीएस सेक्टर (ओईएम और रिप्लेसमेंट), भारतीय रेलवे और बिजली, तेल और गैस सहित अन्य उद्योग क्षेत्रों के लिए पसंदीदा आपूर्तिकर्ता है।

अमारा राजा एनर्जी एंड मोबिलिटी लिमिटेड (एआरई एंड एम) समाधान और उत्पादों की एक श्रृंखला प्रदान करता है, जिसमें ऊर्जा भंडारण समाधान, बैटरी प्रबंधन प्रणाली और स्नेहक, ऑटोमोटिव बैटरी, औद्योगिक बैटरी, बैटरी ऊर्जा भंडारण समाधान, लिथियम-आयन सेल विनिर्माण, ईवी चार्जर्स की एक विस्तृत श्रृंखला, ली-आयन बैटरी पैक असेंबली, नवीकरणीय शामिल हैं।

कंपनी ने कहा कि रीब्रांडिंग दो साल की यात्रा की परिणति का प्रतीक है, जिसका उद्देश्य बैटरी निर्माता से ऊर्जा और गतिशीलता क्षेत्र में एक व्यापक समाधान प्रदाता के रूप में परिवर्तित होना है।

कंपनी कानया दृष्टिकोण दोस्तों पर आधारित



AMARA RAJA
Gotta be a better way

होगा: संबंधित उत्पादों के साथ मौजूदा लीड-एसिड बैटरी व्यवसाय चैनल में मूल्य को अधिकतम करना, और नई ऊर्जा व्यवसाय के विकास को बढ़ावा देना।

एक सहायक कंपनी, अमारा राजा एडवांस्ड सेल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (ARACT) की स्थापना नवंबर 2022 में ली-आयन पहल के लिए की गई थी, जिसके हिस्से के रूप में कंपनी सेल और बैटरी पैक के निर्माण के लिए 16Gwh गीगाफैक्ट्री और एक अत्याधुनिक की स्थापना कर रही है। -आर्ट सहयोगी अनुसंधान एवं विकास सुविधा जिसे ई पॉजिटिव एनर्जी लैब्स कहा जाता है।

राजस्व वृद्धि को ऑटोमोटिव आफ्टर-मार्केट के साथ-साथ टेलीकॉम और यूपीएस सेगमेंट में दर्ज की गई स्वस्थ वॉल्यूम वृद्धि से सहायता मिली।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान परिचालन से बैटरी निर्माता का राजस्व 14 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,795.51 करोड़ रुपये रहा, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 2,620.53

करोड़ रुपये था।

कंपनी ने कहा कि राजस्व वृद्धि को ऑटोमोटिव आफ्टर-मार्केट के साथ-साथ टेलीकॉम और यूपीएस सेगमेंट में दर्ज की गई मजबूत वॉल्यूम वृद्धि से सहायता मिली।

“हमने तिमाही दर तिमाही राजस्व और मुनाफे में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है, जो हमारे उत्पाद की गुणवत्ता और विश्वसनीयता में ग्राहकों के भरोसे का प्रत्यक्ष प्रमाण है। अमारा राजा बैटरीज के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक जयदेव गल्ला ने कहा, ली-आयन पहल में हमारी तीव्र प्रगति के साथ, हम एक मजबूत भविष्य के लिए तैयार हैं।

कंपनी Amaron और Powerzone™ ब्रांडों के तहत ऑटोमोटिव बैटरियों की अग्रणी निर्माता है, जिन्हें बड़े अखिल भारतीय बिक्री और सेवा खुदरा नेटवर्क के माध्यम से वितरित किया जाता है। यह अशोक लीलैंड, फोर्ड इंडिया, होंडा, हुंडई, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति सुजुकी और टाटा मोटर्स को OE संबंधों के तहत ऑटोमोटिव बैटरी की आपूर्ति करता है।

इंदौर का होलकर स्टेडियम अब सोलर स्टेडियम बना

देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर का होलकर स्टेडियम खेलों के क्षेत्र में देश में आदर्श है। यह 2015 से जीरो वेस्ट स्टेडियम है। अब इसमें एक और नई उपलब्धि जुड़ गई है। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) ने रविवार को इंदौर के होलकर स्टेडियम में 376 सौर पैनल स्थापित करके हरित भारत की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाया है। इस पहल से हर साल 277 टन कार्बन उत्सर्जन कम होगा। इसका उद्घाटन भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरे वनडे से पहले किया गया। उद्घाटन के अवसर पर भारत के कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल और एमपीसीए के अन्य गणमान्य

व्यक्ति उपस्थित थे।

स्टेडियम की छत पर 200 केडब्ल्यूपी के सोलर पैनल लगाए गए हैं। नियमानुसार यह प्रस्तावित विद्युत जरूरत का कुछ प्रतिशत उत्पादन करेंगे। ऐसे में होलकर स्टेडियम अपनी दैनिक

जरूरत का 70 से 75 प्रतिशत विद्युत उत्पादन करने में सक्षम होगा। देश में बेंगलुरु, मुंबई सहित कुछ ही अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में ऐसी व्यवस्था है,



जिनमें से इंदौर एक है। अधिकांश स्टेडियम में टैटनुमा छत लगाई जाती है, जिससे सोलर पैनल नहीं लग पाते।

एवरेडी ने नई अल्टिमा उच्च प्रदर्शन एल्फलाइन बैटरी लॉन्च की

एवरेडी इंडस्ट्रीज इंडिया ने प्रीमियमीकरण की अपनी खोज में उच्च प्रदर्शन वाली क्षारीय बैटरियों को आगे बढ़ाने की यात्रा शुरू कर दी है। भारत में सबसे बड़ी ड्राई सेल बैटरी निर्माता, जिसका अधिकांश स्वामित्व डायर के बर्मन परिवार के पास है, अब और भविष्य में पेश किए जाने वाले प्रीमियम उत्पादों के लिए उपब्रांड 'अल्टिमा' को वाहन के रूप में स्थापित करने जा रही है।

लंबी अवधि की क्षारीय बैटरियों के अलावा, जिनकी कीमत नियमित रेंज से 22-150 प्रतिशत अधिक है, एवरेडी अल्टिमा ब्रांड के तहत सिक्का बैटरी जैसी अन्य प्रकार की बैटरियों के साथ आ सकती है।

एवरेडी इंडिया के प्रबंध निदेशक सुवामोय साहा ने कहा, "भारत क्षारीय बैटरी पहुंच में तुलनीय अर्थव्यवस्थाओं से काफी पीछे है। हालाँकि, हाई-ड्रेन उपयोग उपकरणों की शुरुआत के साथ यह खंड पारंपरिक कार्बन जिंक बैटरियों की तुलना में काफी अधिक बढ़ रहा है। हम इस रेंज के साथ उस बाजार पर कब्जा करना चाहते हैं।"

भारत के 3 बिलियन बैटरी बाजार का केवल 6 प्रतिशत क्षारीय बैटरी के लिए है, जबकि चीन में 50 प्रतिशत, ब्राजील में 60 प्रतिशत और अमेरिका में 80 प्रतिशत है। क्षारीय बैटरियों का भारतीय बाजार 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जो कुल मिलाकर 4 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है।

एवरेडी के लिए, क्षारीय बैटरियों का योगदान लगभग 4 प्रतिशत है, लेकिन तीन वर्षों में यह 10 प्रतिशत तक बढ़ सकता है, साहा ने अल्टिमा के एक



टीवी विज्ञापन के लॉन्च पर कहा, जिसकी परिकल्पना ओगिल्वी ने की थी।

एवरेडी अल्टिमा के पुनः लॉन्च के बारे में बताते हुए, वरिष्ठ उपाध्यक्ष (बैटरी और प्लैशलाइट्स) अनिर्बान बनर्जी ने कहा: "रणनीतिक इरादे के रूप में मास्टर ब्रांड को सार्थक उप-ब्रांड स्ट्रैटिज की आवश्यकता होती है। और सार्थक उप-ब्रांड स्ट्रैटिज में से एक अल्टिमा के तहत आने वाली शक्तिशाली उन्नत प्रौद्योगिकियों की क्षमता है, जो हमारा सबसे अच्छा कदम है।"

एवरेडी के कारोबार में बैटरी का हिस्सा 62 प्रतिशत है, जबकि प्लैशलाइट और लाइटिंग का योगदान क्रमशः 16 प्रतिशत और 22 प्रतिशत है।

कंपनी को उम्मीद है कि बैटरियां कारोबार का 50 फीसदी हिस्सा बन जाएंगी क्योंकि अन्य क्षेत्रों में विकास की संभावनाएं अधिक होंगी।

वर्ष की पहली छमाही में अनियमित मानसून की चुनौती के बावजूद, एवरेडी को उच्च एकल अंक की राजस्व वृद्धि की उम्मीद है, जो पिछले साल दर्ज की गई 14 प्रतिशत थी।

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी महाराष्ट्र में 26 मेगावाट की कैप्टिव सौर परियोजना स्थापित करेगी

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) महाराष्ट्र के अहमदनगर में 26 मेगावाट का कैप्टिव सौर संयंत्र स्थापित करेगी। इस संबंध में, कंपनी ने कहा कि उसने पहले ही नियोसिम इंडस्ट्री लिमिटेड (नियोसिम) के साथ एक बिजली वितरण समझौते (पीडीए) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो एक अग्रणी ग्रे और एसजी आयरन कास्टिंग, विनिर्माण कंपनी है।

टाटा पावर शाखा ने कहा कि पीडीए 26-मेगावाट एसी समूह कैप्टिव सौर संयंत्र के लिए है।

इस परियोजना से सालाना 59 मिलियन यूनिट बिजली पैदा होने का अनुमान है। इसके मार्च 2024 से शुरू होने और सालाना 32,500 टन CO2 उत्सर्जन कम होने की उम्मीद है।

टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड के सीईओ आशीष खन्ना ने कहा, "नियोसिम के साथ यह साझेदारी हमारे सी एंड आई उपभोक्ताओं को स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा समाधान प्रदान करने की हमारी निरंतर खोज में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह परियोजना नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता

को बढ़ाने और कम करने की दिशा में एक कदम है।" देश में कार्बन उत्सर्जन।"

नवीनतम ऑर्डर सान्यो स्पेशल स्टील मैनुफैक्चरिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएसएमआई) के लिए 28.12-मेगावाट हरित ऊर्जा संयंत्र और महाराष्ट्र में शैले होटल्स के लिए 6-मेगावाट कैप्टिव सौर संयंत्र का अनुसरण करता है। कंपनी ने परियोजना का कोई वित्तीय विवरण नहीं दिया।



JANTA
ULTIMATE POWER

INVERTER & AUTOMOTIVE BATTERY



www.jantabattery.com

Toll Free No. **1800-8910-771**

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सौर शहर के रूप में सांची शहर का अनावरण किया

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रायसेन जिले के विश्व धरोहर शहर सांची नगर का भारत के पहले सौर शहर के रूप में उद्घाटन किया। कार्यक्रम में सांची को नेट जीरो सिटी बनाने के लिए राज्य के नवीकरणीय ऊर्जा विभाग और आईआईटी कानपुर के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किये गये। चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऊर्जा संरक्षण का जो संकल्प लिया था, उन्हें अधिक सामाजिक जिम्मेदारी के साथ साकार करते हुए मध्य प्रदेश उन्हें पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ चुका है। मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर में बांध की सतह पर सौर पैनल स्थापित करके 600 मेगावाट क्षमता का संयंत्र स्थापित करने की भी पहल की गई है। कभी सांची से दुनिया भर में शांति का संदेश पहुंचा था। अब सांची सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनेगी।

श्री शिवराज सिंह चौहान जी ने कहा कि कोयले और अन्य स्रोतों से बिजली उत्पादन से पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। पारंपरिक साधनों को त्यागकर प्रकृति को नुकसान पहुंचाए बिना सौर ऊर्जा उत्पादन शुरू करने के लिए सांची के नागरिक, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग और सभी वैज्ञानिक बधाई के पात्र हैं। सांची के



पास नागौरी में तीन मेगावाट क्षमता की सौर परियोजना के परिणामस्वरूप सांची सोलर सिटी का निर्माण किया गया है। निकट भविष्य में, गुलगांव में पांच मेगावाट की सौर परियोजना स्थापित की जाएगी जो कृषि क्षेत्र की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगी।

चौहान जी ने कहा कि सांची के लगभग 7,000 निवासियों ने अपने घरों में सोलर स्टैंड लैंप, सोलर स्टडी लैंप और सोलर लालटेन का उपयोग करके

बिजली बचाने का संकल्प लिया है।

ऊर्जा विभाग के अनुसार, सांची सोलर सिटी सालाना 14,000 टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करेगा, जो 238,000 से अधिक पेड़ों के बराबर है। ई-वाहनों को बढ़ावा दिया गया है। चार वाणिज्यिक चार्जिंग पॉइंट और तीन ई-रिक्शा चार्जिंग पॉइंट स्थापित किए गए हैं। बैटरी वाहनों के उपयोग से ₹9 लाख से अधिक मूल्य के डीजल की भी बचत होगी।

अश्रीशा इंडस्ट्रीज गुजरात में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करेगी

स्टील और स्टील मिश्र धातुओं के विनिर्माण और व्यापार के व्यवसाय में लगी अश्रीशा इंडस्ट्रीज ने घोषणा की है कि वह गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करेगी। प्लांट की क्षमता 3MW होगी। कंपनी ने सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए एक आशय पत्र (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए हैं जो घरों और उद्योगों को बिजली की आपूर्ति करेगा।

एक नया सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की घोषणा बोर्ड द्वारा सौर ऊर्जा परियोजनाओं के व्यवसाय में प्रवेश करने और बिजली संयंत्रों की स्थापना के लिए भूमि की खरीद के लिए सहयोग करने की पूर्व घोषणा के अनुरूप है।

अश्रीशा इंडस्ट्रीज स्टील और स्टील मिश्र धातुओं के निर्माण और व्यापार में अग्रणी कंपनी है। सौर उद्योग में प्रवेश करने का निर्णय इसे भारत के



स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और देश के सतत विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने की अनुमति देगा। सौर ऊर्जा उद्योग एक तेजी से विस्तार करने वाला क्षेत्र है जो बिजली पैदा करने के लिए सूर्य से प्रचुर ऊर्जा का उपयोग करता है। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों पर बढ़ते फोकस के साथ, सौर ऊर्जा दुनिया की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल समाधानों की तलाश में एक गेम-चेंजर के रूप में उभरी है।

सौर ऊर्जा को अपनाना इसके कई लाभों से

प्रेरित है, जिसमें कम ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन, कम परिचालन लागत और जीवाश्म ईंधन पर कम निर्भरता शामिल है।

सौर ऊर्जा परियोजनाएं न केवल पर्यावरण की दृष्टि से जिम्मेदार विकल्प हैं, बल्कि एक स्मार्ट दीर्घकालिक निवेश भी हैं। जैसे-जैसे प्रौद्योगिकी प्रगति और पैमाने की अर्थव्यवस्थाओं में सुधार हुआ है, सौर ऊर्जा तेजी से प्रतिस्पर्धी हो गई है, जिससे यह दुनिया भर में बिजली उत्पादन के लिए एक व्यवहार्य और आकर्षक विकल्प बन गया है।



www.xtraapower.in

AUTOMOTIVE INVERTER & MOTORCYCLE BATTERIES



CONTACT US: +91 9468948911

सोडियम-आयन बैटरी संभवतः लिथियम-आयन का विकल्प है



लिथियम-आयन बैटरियों के विकल्प के रूप में सोडियम-आयन बैटरियों के संबंध में विचार करने योग्य कुछ मुख्य बिंदु यहां दिए गए हैं:

लिथियम-आयन बैटरियों से समानताएँ: सोडियम-आयन बैटरियाँ अपने बुनियादी परिचालन सिद्धांतों के संदर्भ में लिथियम-आयन बैटरियों के साथ कुछ समानताएँ साझा करती हैं। वे दोनों ऊर्जा को संग्रहीत करने और जारी करने के लिए इलेक्ट्रोलाइट के माध्यम से एनोड और कैथोड के बीच आयनों की गति को शामिल करते हैं।

लाभ:

प्रचुरता: सोडियम लिथियम की तुलना में अधिक प्रचुर मात्रा में और कम महंगा है, जिससे सोडियम-आयन बैटरी संभावित रूप से अधिक लागत प्रभावी और टिकाऊ हो जाती है।

अनुकूलता: सोडियम-आयन बैटरियाँ संभावित रूप से लिथियम-आयन बैटरियों के

समान ही कई विनिर्माण प्रक्रियाओं और सामग्रियों का उपयोग कर सकती हैं, जो निर्माताओं के लिए संक्रमण को आसान बना सकती हैं।

सुरक्षा: सोडियम-आयन बैटरियाँ लिथियम-आयन बैटरियों की तुलना में सुरक्षा लाभ प्रदान कर सकती हैं क्योंकि सोडियम में थर्मल रनवे और आग के खतरों की संभावना कम होती है।

चुनौतियाँ:

ऊर्जा घनत्व: सोडियम-आयन बैटरियों में आमतौर पर लिथियम-आयन बैटरियों की तुलना में कम ऊर्जा घनत्व होता है। इसका मतलब यह है कि वे इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे उच्च-ऊर्जा-घनत्व अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त नहीं हो सकते हैं।

चक्र जीवन: लिथियम-आयन बैटरियों की तुलना में सोडियम-आयन बैटरियों का चक्र जीवन छोटा हो सकता है और प्रदर्शन कम हो सकता है।

विकास चरण: 2021 तक, सोडियम-आयन बैटरी तकनीक अभी भी अनुसंधान और विकास

चरण में थी, और व्यावसायीकरण और व्यापक रूप से अपनाया जाना लिथियम-आयन बैटरी जितना उन्नत नहीं था।

अनुप्रयोग: सोडियम-आयन बैटरियों पर उन अनुप्रयोगों के लिए विचार किया जा रहा था जहां ऊर्जा घनत्व प्राथमिक चिंता का विषय नहीं है, जैसे ग्रिड ऊर्जा भंडारण और स्थिर ऊर्जा प्रणालियाँ।

चूंकि बैटरी प्रौद्योगिकी का क्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है, इसलिए मैं यह देखने के लिए नवीनतम समाचार और शोध अपडेट की जांच करने की सलाह देता हूँ कि क्या सोडियम-आयन बैटरियों ने महत्वपूर्ण प्रगति की है या ऊपर उल्लिखित कुछ चुनौतियों पर काबू पा लिया है। मेरे पिछले अपडेट के बाद से अनुसंधान और विकास के प्रयास आगे बढ़ेंगे, जिससे संभावित रूप से कुछ संदर्भों में सोडियम-आयन बैटरियों को लिथियम-आयन बैटरियों का अधिक व्यवहार्य विकल्प बनाया जा सकेगा।

सोलर व्यापार और बैटरी व्यापार में सम्बन्ध

सोलर व्यापार और बैटरी व्यापार के बीच संबंध महत्वपूर्ण है, क्योंकि बैटरी स्टोरेज सोलर ऊर्जा के प्रयोग को सुदृढ़ और प्रभावी बनाता है, और सोलर ऊर्जा को अवसरों के साथ प्रयोग करता है। यह दोनों सेक्टरों के विकास और सफलता के लिए महत्वपूर्ण है:

सोलर पावर प्लांट्स के साथ बैटरी स्टोरेज: बैटरी स्टोरेज सोलर पावर प्लांट्स के साथ युगानुकूलन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। सोलर पैनल ऊर्जा को बनाते हैं जब सूरजकिरणें उन पर पड़ती हैं, लेकिन यह ऊर्जा केवल दिन के समय

उपलब्ध होती है। बैटरी स्टोरेज इस सोलर ऊर्जा को दिन के समय संचयित करके रात के समय उपयोग के लिए उपलब्ध कराता है, जिससे विद्युत संचालन को स्थिर बनाने में मदद मिलती है।

सोलर बैटरी सिस्टम: बैटरी स्टोरेज कम्पनियाँ और विनिर्माण करने वाले कम्पनियाँ सोलर बैटरी सिस्टम बनाती हैं, जिनका उपयोग सोलर पैनल सिस्टम के साथ किया जा सकता है। ये सिस्टम घरों, कार्यालयों, उद्योग क्षेत्रों, और बहुत से अन्य स्थानों के लिए उपयोग किए जा सकते हैं ताकि ऊर्जा का स्वयं संचयन और उपयोग किया जा सके।

सोलर उपकरणों के लिए बैटरी स्टोरेज: सोलर उपकरणों जैसे कि सौर पम्प सिस्टम और सौर वायवरण संचालन के लिए बैटरी स्टोरेज का उपयोग किया जाता है। यह सिस्टम अच्छे रूप से गांवों में और दूरदराज क्षेत्रों में जल संचयन और डिस्ट्रिब्यूशन के लिए उपयोग हो सकते हैं।

समृद्धि और स्वावलंबन: सोलर और बैटरी व्यवसाय लोगों को समृद्धि और स्वावलंबन की संभावना प्रदान कर सकते हैं, क्योंकि ये क्षेत्र जॉब्स के रूप में नौकरियाँ प्रदान करते हैं और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देते हैं।



QUICKTM
Power

**Powering Your Life,
Quick Power
Tall Tubular Battery
Delivering Excellence.**



CUSTOMER SUPPORT
9990-300-301

**ASHU
ENTERPRISES**

TRADE ENQUIRY
9990-94-6060

तुम आए नहीं

सुबह से शाम, शाम से रात
हो गई पर तुम आए नहीं।
मैंने पुकारा तो था तुम्हें,
पर तुम आए नहीं।

इन आँखों का क्या जो,
आँसुओं से लबालब हो गई,
दिन में काली घटा, और रात
में चिलमन हो गई।

हो रहा निलाम हमारा इश्क था,
पर बोली लगाने तुम आए नहीं,
मैंने पुकारा तो था तुम्हें,
पर तुम आए नहीं।

तु भुल गया हमें पर
हम भुलाए नहीं,
हम जैसे तड़पे हैं, तुझे वैसे
कोई तड़पाए नहीं।

शायद जो तु ढूँढ रहा है, वो
मुझ पर बची अब अदाएं नहीं।
दिल करता है, तेरा दिल टुकड़ों में तोड़ दूँ।
जो तुने मुझे दिया वो तेरे ही ओर मोड़ दूँ।

आँसू सारे तुझे देकर खुद खुशियों
की चादर ओढ़ लूँ।
जब टूटा दिल लेकर आए तु मेरे
पास तो तुझे बेपनाह प्यार दे
उसी पल छोड़ दूँ।

फिर सोचती हूँ क्या फर्क रह जाएगा
दोनों में, जा तुझे छोड़ दिया
अब मैंने खैरात में।
नहीं अब कोई तुझसे वास्ता रखूंगी।

तुझसे मिले दिल में उन जख्मों का
खुद मलहम बनूंगी,
मैंने पुकारा तो था तुम्हें
पर तुम आए नहीं.....

निर्मला सिन्हा (स्वतंत्र लेखिका)
ग्राम-जामरी, डोंगरगढ़
छत्तीसगढ़



रहे हैं। भगवान की आरती हो रही है। बुल्ला बहुत बड़ा भंडारा करा रहे हैं। दूर - दूर से संत महात्मा पधारे हैं और छप्पन भोग का आनंद ले रहे हैं। बुल्ला हाथ में दही की हांडी लेकर सबको दही परोसने चले हैं। इतने में उनका मालिक गुलाल वहां आ पहुंचे और गुस्से में आग बबूला होने लगे। उन्होंने बुल्ला को गाली देते हुए लात मारी। उन्होंने देखा की सच में बुल्ला के हाथ से दही की हांडी गिर पड़ी। गुलाल साहब यह देखकर हक्का - बक्का हो गए। क्योंकि बुल्ला तो नौद में मुस्कुरा रहा था, उसके हाथ में दही की हांडी कहां से आई?

ध्यान टूटने पर बुल्ला ने माफी मांगते हुए कहा - मैंने अपने घर में भगवान के लिए भंडारे का आयोजन किया था। साहब भंडारे में भोजन परोसने के बाद दही परोस रहा था। आपने लात मारकर दही गिरा दिया। चारों तरफ दही गिरी हुई थी। गुलाल साहब बुल्ला की चरणों में गिर पड़े और बुल्ला को अपना गुरु बना लिया। इसीलिए कहा गया है गुरु नानक जी के शब्दों में : आसा मनसा सकल त्यागी कै जग ते रहे निरासा। काम, क्रोध जेहि परसे नाहिन तेहि घर ब्रह्म निवासा ॥

— डॉ. आशा सिन्हा, पटना

प्रक लघुकथा आत्मदर्शी संत

भगवान जाति-पाति, उम्र, ज्ञान और कुल, धन, संपदा नहीं देखते। जो भी उनका प्रीतपूर्वक भजन करता है, उसे वे अविलम्ब अपना लेते हैं। श्रीराम नाम के बिना हनुमान जी का दर्शन, स्पर्श और मिलन प्राप्त नहीं हो सकता। नाम स्तुति ही साधना का सबसे बड़ा सहारा है। यह नाम हृदय गुहा में अखंड रूप से उच्चरित होता रहता है। आवश्यकता इस बात की है कि साधक अपनी हृदय गुहा में प्रवेश कर नाम के धुन में अपने मन, चित्त और प्राण को लय करे। महान संत बुल्ला साहब निपट निरक्षर और निहायत निर्धन थे। वे गुलाल साहब के नौकर थे और हलवाहे का काम करते थे। भगवान का नाम हमेशा जपते और उनकी भक्ति में लीन रहते। एक दिन हल चलाते-चलाते भगवान के स्मरण की दिव्य धारा उमड़ पड़ी। हल को खेत में छोड़कर वे खेत की मेड़ पर आंखें बंद कर बैठ गए और मन ही में विह्वल हो रहे थे। उन्हें ऐसा अनुभव हुआ की भगवान उनके घर पधारे हैं। उनकी पूजा, अर्चना हो रही है। शंख, घड़ियाल, डफली, झांझ, मृदंग आदि बज

नेता जी

फिर आया मौसम चुनावों का।
नेता करेंगे अब दौरा गांवों का।
कैसे हाथ जोड़कर ढोंक लगाते,
प्यारे नेता शहर गली चौबारे का।

कभी पांच साल में हाल ना पूछें,
यूं कहते जन सेवक जनता का।
सदा चमचमाती लाल मर्सिडीज,
धूल उड़ाता काफिला कारों का।

भोले बगुले सी पोशाक पहनकर,
गले महके हार सजीले फूलों का।
कितने जय जयकारे जोर लगाते,
संग झूठ छुट भैया नेताओं का।

कभी वादे इनको याद नहीं रहते,
रहे यह चश्मा लगाकर लोभ का।
चुनाव में पैर पकड़ते अम्माजी के,
यूं साष्टांग दंडवत करते ताऊ का।

कितने भोले - भाले देश के नेता,
पल-पल रंग बदलते गिरगिट का।
यह लोकतंत्र के रोबीले राजा,
क्यों सगे कहां कब जनता का।

सरोकार नहीं विकास से इन्हें,
नेता बस ध्यान रखेंगे जेबों का।
जीत चुनाव पाते जादूई छड़ी,
माल दोनों हाथ बटोरें देश का।

है अगर ईमानदार तो जरा बता दें,
बने धनिक राज क्या है वैभव का।
बनते पीढ़ी दर पीढ़ी राजा शाही,
चुनाव खर्च करें कैसे करोड़ों का।

फिर आया मौसम चुनावों का।
नेता करेंगे अब दौरा गांवों का।

डॉ. भगवान सहाय मीना 'अमिष'
बाड़ा पदमपुरा,
जयपुर, राजस्थान।



जंग

वीर हूँ, जंग ही, कर्म है धर्म है।
युद्ध ही, वो लड़े, वीर का धर्म है।
मात की, जो करे, नित्य ही प्रार्थना।
वो सदा, चाहता, युद्ध में जीतना ॥ १ ॥

हारना, मौत है, जीतना जिंदगी।
छोड़ना, तू नहीं, ईश की बंदगी।
जो लड़ा, वो जिया, पा लिया धर्म को।
भाग कर, तू न कर, पाप के कर्म को ॥ २ ॥

काटते, मारते, लोग हैं लड़ रहे।
नीच हैं, लोग जो, खिलखिला हँस रहे।
देश में, पाप का, चल रहा सिलसिला।
यूँ लगे, क्रोध का, आ गया जलजला ॥ ३ ॥

वीर तू, धीर तू, काट कर शीश तू।
बन गया, युद्ध में, मौत का ईश तू।
काल का, रूप ले, जीत ले हार को।
दुष्ट का, नाश कर, मार दे रार को ॥ ४ ॥

आखरी, जंग है, जो लड़ा वो जिया।
जो भगा, छोड़ के, देश को क्या दिया।
वीर ही, जीतते, मारते काटते।
युद्ध को, छोड़ के, भीर ही भागते ॥ ५ ॥



सुरेश चन्द्र जोशी
पिथौरागढ़, उत्तराखण्ड



**FINDING
THE BEST SOLUTION**

हम हैं

डिजाइन समाधान

SuperStik™
.... चिपका रहे !
BATTERY STICKER
कभी सार ना छोड़ें !

**बैटरी स्टीकर • वारंटी कार्ड • लिफलेट
बॉक्स • टैग • टेन्ट कार्ड • कैलेण्डर
लोगो • स्टेशनरी • कैटलोग**

BRANDING | PRINTING | SOCIAL MEDIA

 **DESIGNWORLD**
GRAPHICS | WEB | PRINT

M.: 9582593779, 99101 83526, 99712 93665
E.: superstiklable@gmail.com | W.: www.designworldmedia.in

www.batterybusiness.in

 **बैटरी व्यापार**
ऑनलाइन मासिक *Battery Business*

बैटरी, सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन,
ऊर्जा व्यापार से जुड़े कारोबारियों
के लिए प्रकाशित

सदस्यता प्रपत्र

फोटो

नाम _____

पता _____

पता _____ फोन _____

मोबाइल _____ ई-मेल _____

दिनांक _____ हस्ताक्षर _____

विज्ञापन दर

कवर स्टोरी (कवर विज्ञापन)	10000/- रुपये
पिछला आवरण	5000/- रुपये
प्रथम आवरण के पीछे	4000/- रुपये
पिछले आवरण के पीछे	4000/- रुपये
पूरा पृष्ठ	3000/- रुपये
आधा पृष्ठ	2000/- रुपये
चौथाई पृष्ठ	1500/- रुपये
न्यूनतम	1000/- रुपये

सदस्यता हेतु अनुदान राशि

एक वर्ष : 1200/- रुपये दो वर्ष : 1800/- रुपये
पांच वर्ष : 4000/- रुपये आजीवन : 11000/- रुपये

सदस्यता हेतु अनुदान राशि चैक/ड्राफ्ट "designworld"
के नाम WZ-572N, BACK SIDE, NARAINA VILLAGE
DELHI-110028 के पते पर भेजें।

ड्राफ्ट या चैक यस बैंक के नाम पर देय होगा।

Paytm, googlepay, phone pe No. 9582593779



SAM
Above & Beyond

www.sambattery.com
info@sambattery.com

COMPLETE RANGE OF
MOTORCYCLE
BATTERY



SAM BATTERY INDIA PVT. LTD.
+91 9654788882, 86

LONG LIFE | MAINTENANCE FREE



बैटरी व्यापार

ऑनलाइन मासिक

Battery Business

बैटरी, सोलर, इलेक्ट्रिक वाहन, ऊर्जा व्यापार से जुड़े कारोबारियों के लिए प्रकाशित

Website : www.batterybusiness.in

Email : info@batterybusiness.in



Toll Free : 1800-891-3910

GO SOLAR WITH STAXXA SOLAR



HIGH POWER OUTPUT

Compared to normal module
the power output can increase 5W-1CW

Complete Range of High Efficiency Solar Panels available Models

12V Poly Series :

40W, 50W, 75W, 100W, 160W

24V Poly Series :

335W, 350W

Monoperc 24V Series :

400W



SPECIAL 5 BUSBAR DESIGN



The unique cell design reduction in electrodes resistance, shading area and raise in conversion efficiency, Residual stress distribution can be more even, reducing the micro-cracks risks.

IP67 RATED JUNCTION BOX

IP67

The unique cell design reduction in electrodes resistance, shading area and raise in conversion efficiency, Residual stress distribution can be more even, reducing the micro-cracks risks.

Email : customercare@staxxasolar.com | Web : www.staxxasolar.com